अगर तू चाहे जो भव तरना आ गुरू दर पे भजन

अगर तू चाहे जो भव तरना,
आ गुरू दर पे,
बिना वजह ही क्यो लादे,
है बोझ तू सर पे।bd।

तर्ज – तू इस तरह से मेरी जिंदगी।

मिली है तुझको ये काया,
गुरु की रहमत से,
मगर तू छोड़ नही पाता,
अपनी आदत है,
हजारो दाग लगाए,
है तू चदरिया में,
यूँ ही गुजरती ये जाए,
तेरी उमरिया है।

अगर तू चाहे जो भव तरना,
आ गुरू दर पे,
बिना वजह ही क्यो लादे,
है बोझ तू सर पे।bd।

बिना भजन के यूँ जीना,
भी है कोई जीना,
नही तरेगी ये नैया,
किसी कैवट के बिना,
गुरू शरण मे तू इकर,
झुकाले सर अपना,
बना सके तो बनाले,
नसीब तू अपना।

अगर तू चाहें जो भव तरना,
आ गुरू दर पे,
बिना वजह ही क्यो लादे,
है बोझ तू सर पे।bd।

भजेगा नाम नही तो,
तरेगा तू कैसे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बचेगा यम की अदालत,
से तू भला कैसे,
बहुत सजाएँ मिलेगी,
बहाँ गुरू के बिना,
तेरी न होगी जमानत,
वहां गुरू के बिना।

अगर तू चाहें जो भव तरना,
आ गुरू दर पे,
बिना वजह ही क्यो लादे,
है बोझ तू सर पे।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com